दिनांक 9 मई, 2018 को मारवाड़ी भवन, राँची में झारखण्ड राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित ''साथ रहना सीखें शिविर–2018'' में माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:–

- मुझे झारखण्ड राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित इस ''साथ रहना सीखें शिविर'' में आप सभी बच्चों के बीच सम्मिलित होकर अपार खुशी हो रही है।
- प्रिय बच्चों, आप देश के कर्णधार हैं और इस देश को आपसे बड़ी आशाएँ है। आप इस राष्ट्र की धरोहर हैं, भविष्य में आप ही पर देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक व्यवस्था का दायित्व रहेगा। आप आगे बढ़ेंगे तो देश आगे बढ़ेगा।
- इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि बच्चों के सर्वांगीण विकास से ही किसी भी राष्ट्र का बहुमुखी विकास संभव है क्योंकि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं, ये वो कलियाँ हैं, जो कल विकसित होकर अपने कार्यों एवं प्रतिभा से अपने राज्य एवं राष्ट्र का परचम लहरायेंगे।
- मैं इस परिषद सहित अन्य सभी सामाजिक संस्थाओं से अपील करना चाहूँगी कि वे बच्चों के व्यक्तित्व के विकास की दिशा में पूरे समर्पण भाव से कार्य करें। उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, बेहतर शिक्षा सुलभ कराने तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में गंभीरतापूर्वक काम करें।
- हमारे परिषद् के सदस्यों का बच्चों के विकास के प्रति गंभीर रहना प्रशंसनीय है। वे बच्चों में निहित प्रतिभा को निखारने के लिए मार्गदर्शन देते रहें और उनकी सहायता करें तथा उन्हें बेहतर इंसान बनाने हेतु प्रयत्नशील रहें।

- हमारे बच्चों ने विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से ऐसे कार्य किये हैं, जो अद्भूत तथा प्रशंसनीय है। हमारे बच्चों में विभिन्न प्रकार की प्रतिभायें निहित है। जरूरत है उन्हें निखारने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने की। इस दिशा में परिषद द्वारा ''राज्य स्तरीय साथ रहना सीखें शिविर'' का आयोजन किया जाना एक सराहनीय कदम है।
- इस शिविर में योग, खेलकूद, गीत–संगीत, नृत्य एवं भाषण प्रतियोगिता आदि के साथ–साथ बच्चों को विज्ञान, स्वच्छता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना की ओर प्रेरित करना सराहनीय है।
- इस शिविर में राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया है, जिनमें कई दिव्यांग बच्चे भी शामिल हैं। आप सभी जानते हैं कि दिव्यांगों ने अवसर हासिल होने पर हमेशा सिद्ध किया है कि वे सामान्य श्रेणी के लोगों से किसी भी प्रकार कम नहीं है।
- आशा है कि इस प्रकार के शिविर के आयोजन से बच्चों में एक–दूसरे के प्रति सहयोग एवं आपसी ताल–मेल व संवाद की भावना को बढ़ावा मिला होगा। साथ ही बच्चों में प्रतियोगिता की भावना विकसित हुई होगी।
- मैं झारखण्ड राज्य बाल कल्याण परिषद को इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई देती हूँ तथा सभी सहभागी बच्चों के बेहतर भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!